Title: Need to include Kashyap, Nishad and Bind Communities in the list of Scheduled Castes.

श्री महेन्द्र प्रसाद नि्ाद (फतेहपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में एक महत्वपूर्ण वि्ाय लाना चाहता हूं। मान्यवर, उत्तर प्रदेश में कश्यप, नि्ाद और बिंद के नाम से जानी जाने वाली मछुआरा जाति की लगभग एक करोड़ आबादी है। इनका पैतृक पेशा मछली मारना और नाव चलाना था लेकिन सभी कामों का सरकारीकरण होने के बाद और इनमें ठेका पद्धति लागू होने के बाद यह बिरादरी बेरोजगारी की शिकार हो गई है जिससे बन्धुआ मजदूरी करने के लिए बाध्य हो गई है। इस जाति के लोगों को न पढ़ने का मौका मिला और न कभी सरकारी नौकरी करने का मौका मिला। रोजी रोटी के साधन न होने के कारण और बेकारी के कारण इनका जीवन स्तर अनुसूचित जाति के लोगों से भी ज्यादा खराब हो गया है। यदि इस जाति को अनुसूचित जाति के अन्दर शामिल कर लिया जाए तो इन्हें पढ़ने का मौका मिल जाएगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।